

16/1/18



सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official

अकृलाय उपन।

भूल पत्रावली का निर्णय हो
पूजा हो अथ इस प्राधान्य-पत्र
का कोई औचित्य नहीं हो अतः
स्वार्थिज की जाती हो पत्रावली
के मूल सुमार होकर 21 खिल
द्वार हो।

सहायक कलक्टर
डीडवाना